पंजाब केसरी 01/10/2024

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में ई-कचरा संग्रह केंद्र स्थापित

अम्बाला, 30 सितम्बर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज परिसर में कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की कम्प्यूटर लैब में कॉलेज के कर्मचारियों और छात्रों के लिए ई-कचरा संग्रह केंद्र स्थापित किया है। पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर काम करने वाले छात्रों और शिक्षकों के समूह के साथ आज कम्प्यूटर लैब में ई-कचरे पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया है। छात्रों के समूह को कॉलेज के अन्य छात्रों में कचरा संग्रहण स्थल पर जमा करने के लिए जागरुकता पैदा करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

कार्यक्रम का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र में ई-कचरे के पुनर्चक्रण में उपयोग की जाने वाली प्रदूषणकारी प्रौद्योगिकियों से उत्पन्न होने वाले पर्यावरण और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए छात्रों में प्रभावी जागरुकता पैदा करना है। यह छात्रों को ई-कचरे के हानिकारक प्रभावों और इसके उचित निपटान के बारे में शिक्षित करने के लिए आयोजित किया जाता है।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि अधिकांश इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों में खतरनाक रसायन होते हैं। इसलिए यदि उनका सुरक्षित निपटान नहीं किया गया तो वे रसायन लोगों, जानवरों और पर्यावरण के लिए सुरक्षा खतरा पैदा कर सकते हैं।

दूषित मिट्टी के अलावा खतरनाक अपशिष्ट हवा को प्रदूषित कर सकते हैं और जल स्रोतों में मिल सकते हैं। ई-कचरे के उचित निपटान के लिए छात्रों को विभिन्न टिप्स दिए गए। इलैक्ट्रॉनिक उत्पादों को स्वयं नष्ट न करें, इलैक्ट्रॉनिक कचरे को सामान्य कूड़ेदानों में न फैंके, जिन पर लिखा हो निस्तारित न करें।

कूड़ा बीनने वालों या स्थानीय स्क्रैप डीलरों जैसे अनौपचारिक क्षेत्रों को ई-कचरा न बेचें या न दें। इलैक्ट्रॉनिक कचरे को नगर निगम के कचरे के साथ न फैंकें, क्योंकि यह लैंडफिल में जा सकता है। छात्र और शिक्षक अपने दोषपूर्ण, दोषपूर्ण, खराब इलैक्ट्रॉनिक सामान जैसे चार्जर, लैपटॉप, मोबाइल, ईयर बड एवं केबल आदि को उस कंटेनर में जमा कर रहे हैं, जो इस उद्देश्य के लिए रखा गया है।

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में ई-कचरा संग्रह केंद्र स्थापित करते कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के सदस्य एवं विद्यार्थी। (देवव्रत)